9. Research and development.

10. Education and training.

11. Information and awareness.

12. Strengthening legislations for prevention and control of pollution, industrial safety and management of hazardous substances.

(b) A new gallery on 'conseva-tion' was added in the National Museum of National History, New Delhi on the occasion of World Environment Day, on June 5,]988.

(c) Yes, Sir.

(d) Government assesses the environmental impacts of the proposed projects and clears them, if with suitable safeguards and conditions, they are environmentally compatible.

Improvement in export performance

840. SHRIMATI SUDHA VIJAY JOSHI; Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the value of the Country's ex ports during the last three years, -year-wise;

(b) whether the export performance showed an improvement last year aa compared to the previous years;

(c) if so, by what percentage; and

(d) what steps are being taken to further improve the export perfor mance?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. R. DAS MUNSHI): (a) The details of exports during the last three years are as under: —

Year	Exports (Rs. in crores)
1985-86	10895
1986-87 (R)	12569
1987-88 (P)	15719

(R: Revised P: Provisional)

Source DGCI&S, Calcutta.

(b) to (c) According to the provisional figures India's exports -during 1987-88 amounted to Rs. 15719 crores as compared to the provisional figures of Rs. 12550 crores during 1986-87 thereby showing an increase of 25.3 per cent.

(d) Government have already taken a series of initiatives designed to generate surpluses for export, to induce the production of goods internationally contemporary in technology and competitive in prices and to make exports more profitable.

रेशम का निर्यात

841. **श्री राम अवधेश सिंह :** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेशम बोर्ड की नई नीतियों के कारण रेशम के निर्यात में बाधायें आ रही हैं और उनसे देश को करोड़ों रूपये की विदेशी मुद्रा की हानि हो रही है ;

(ख) क्या निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता की जांच की जटिल प्रक्रिया से अनावश्यक विलम्ब होता है और विलम्ब शुल्क देना होता है ;

(ग) क्या हस्त शिल्प विकास आयुक्त ने सरकार से प्राकृतिक रेशम उत्पादों के निर्यात की प्रक्रिया को सरल बनाने की सिफारिश की है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वस्त्र मंत्री (श्री राम निवास मिर्धा) : (क) जी नहीं । प्राकृतिक रेशम की वस्तुओं के निर्यात से हुई विदेशी मुद्रा की आय 1985–86 में 159.82 करोड़ रू० के स्तर से काफी बढ़कर 1987–88 में 254.96 करोड़ रू० हो गई ।

(ख) जी नहीं। तथापि, पोत लदान पूर्व निरीक्षण कार्य-विधियों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और अगर आवश्यक होता है तो उन्हें सरल और कारगर बनाया जाता है।

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

गंगा और यमुना नदियों की सफाई

842. **श्री अश्विनी कुमार :** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान गंगा और यमुना नदियों की सफाई किये जाने के अभियान के एक अंग के बतौर, किन-किन स्कीमों को स्वीकृति दी गई है अथवा किन-किन को स्वीकृति दी जानी है तथा ये परियोजनायें सफाई अभियान में किस हद तक योगदान कर रही हैं ;

(ख) प्रत्येक परियोजना के लिये आवंटित की गई धनराशि का अलग-अलग ब्यौरा क्या है ; और

(ग) आवंटित धनराशि में से अभी तक कितनी धनराशि खर्च की जा चुकी है तथा सफाई कार्य में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) और (ख) गंगा कार्य योजना के अन्तर्गत मंजूर की गई स्कीमों को 6 वर्गों में बांटा गया है। इनमें से प्रत्येक वर्ग की स्कीमों की संख्या और उनकी अनुमानित लागत निम्नलिखित है :

विवरण	संख्या	लागत (रुपये करोड़)
—अपशिष्ट जल का अवरोधन और दिशा-परिवर्तन .	90	99.50
—सीवेज उपचार संयंत्र	32	105.08
—अल्प लागत स्वच्छता	42	20.40
—विद्युत शवदाहगृह	29	10.44
—शौचालयों और संबंधित सुधारों जैसी नदी तटाग्र सुविधाएं	34	13.47
—जलीय प्रजातियों के जैव संरक्षण नदी गुणवत्ता निगरानी (मानीटरिंग) जैसी अन्य स्कीमें . .	35	10.38
योग	262	259.27

गंगा कार्य योजना में यमुना नदी के लिये इलाहाबाद नगर के अलावा कोई स्कीम शामिल नहीं है। इलाहाबाद में ही नगर के मल-जल का पर्याप्त भाग संगम से पहले यमुना नदी में प्रवाहित होता है। गंगा कार्य योजना के अन्तर्गत इलाहाबाद के लिए इस अपशिष्ट जल के अवरोधन और दिशा परिवर्तन की स्कीमें पहले ही शुरू की जा चुकी हैं। अधिकांश स्कीमें सातवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि के दौरान पूरी हो जायेंगी और कुछ आठवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि के दौरान भी चलेंगी। इसके बाद ही नदी गुणवत्ता का मूल्यांकन हो सकेगा।

(ग) गंगा कार्य योजना के लिये सातवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि के